

बॉक्सिंग में भारत की धाक, एथलेटिक्स में सोना सूना

39 पदकों के साथ चौथे स्थान पर खत्म हुआ अभियान

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में 123 खिलाड़ियों के भारतीय दल के 38 खिलाड़ी पदक जीतने में सफल

एजेंसी। ग्लासगो

राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का अभियान 39 पदकों के साथ चौथे स्थान पर समाप्त हुआ, लेकिन इस प्रदर्शन की सबसे बड़ी कहानी मुक्केबाजी में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा और एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक का सूखा रही।

भारत ने कुल 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक जीते। 123 खिलाड़ियों के दल में 38 खिलाड़ी पदक जीतने में सफल रहे, यानी करीब 31 प्रतिशत खिलाड़ियों ने पौडियम पर जगह बनाई। गुलवीर सिंह दो पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय रहे।

भारत के लिए सबसे चमकदार खेल मुक्केबाजी रहा। भारतीय मुक्केबाजों ने 10 पदक जीते, जिनमें सात स्वर्ण शामिल रहे। यह राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का मुक्केबाजी में



अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बताया जा रहा है। इस सफलता ने एक बार फिर साबित किया कि मुक्केबाजी भारत के उन खेलों में शामिल है, जहां प्रतिभा, प्रतिस्पर्धा और पदक की संभावनाएं लगातार मजबूत हो रही हैं। महिला और पुरुष दोनों वर्गों में भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और कुल पदक तालिका में मुक्केबाजी का योगदान निर्णायक रहा। इसके उलट

एथलेटिक्स में भारत को स्वर्ण पदक नहीं मिल सका। हालांकि ट्रैक एंड फील्ड में भारतीय खिलाड़ियों ने कई प्रभावशाली प्रदर्शन किए और रजत व कांस्य पदक जीते। गुलवीर सिंह का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। उन्होंने लंबी दूरी की स्पर्धाओं में दो पदक जीतकर भारत की पदक संख्या बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पैरा एथलेटिक्स ने भी भारतीय अभियान

को मजबूती दी और शामिल धाक ने ऐतिहासिक स्वर्ण जीतकर में देश के लिए नया अध्याय जोड़ा।

■ **पारंपरिक मजबूत खेलों की गैरमौजूदगी का असर:** भारत का 39 पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस बार राष्ट्रमंडल खेलों के कार्यक्रम में भारत के कई पारंपरिक मजबूत खेल शामिल नहीं थे। कुश्ती, हॉकी, बैडमिंटन और निशानेबाजी जैसे खेलों की अनुपस्थिति का भारतीय पदक संभावनाओं पर असर पड़ा। ऐसे में सीमित खेलों वाले संस्करण में चौथा स्थान हासिल करना भारत के लिए सकारात्मक संकेत माना जा सकता है। हालांकि पदक संख्या की तुलना पिछले संस्करणों से सीधे करना उचित नहीं होगा, क्योंकि खेलों और स्पर्धाओं की संख्या में काफी अंतर था। भारत के प्रदर्शन का एक और सकारात्मक पहलू पदकों का

अपेक्षाकृत व्यापक वितरण रहा। मुक्केबाजी के अलावा भारोत्तोलन, पैरा खेल और एथलेटिक्स ने भी योगदान दिया। इससे संकेत मिलता है कि भारतीय खेल प्रणाली में कुछ नए खेलों में भी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विकसित हो रही है। हालांकि शीर्ष स्तर पर लगातार प्रदर्शन के लिए एथलेटिक्स जैसे ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने की क्षमता बढ़ाना अभी बड़ी चुनौती है।

• **आगे की चुनौती:** ग्लासगो में मिली सफलता के बाद भारत की नजर अब 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों पर होगी, जिसकी मेजबानी अहमदाबाद करेगा। घरेलू मैदान पर भारत के सामने पदक तालिका में शीर्ष स्थान के लिए मजबूत दावेदारी पेश करने का अवसर होगा। इसके लिए मुक्केबाजी की मौजूदा ताकत को बनाए रखने के साथ एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक की कमी दूर करना होगा।

चाकू की नोक पर लूटपाट कर रहे 3 बदमाशों को विधायक दबोचा

लोगों ने की धुनाई; चाकू व नशीले इंजेक्शन की सिरिजें बरामद, पुलिस के हवाले

दलजीत विक्की | लुधियाना

समर न्यूज़

रविशार की शाम थाना डिवीजन-7 के अंतर्गत आते ओंकार विहार के पास चाकू की नोक पर एक राहगीर से लूटपाट कर रहे तीन बदमाशों को हल्का पूर्वी के विधायक दलजीत ग्रेवाल भोला ने अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की मदद से पीछा कर दबोच लिया। बदमाश वारदात के बाद भागने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन विधायक और उनके साथियों ने भोला कॉलोनी तक उनका पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने भी तीनों आरोपियों की जमकर पिटाई कर दी। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से एक तेजधार चाकू तथा उनकी जेबों से नशीले



इंजेक्शन की तीन सिरिजें बरामद हुईं। इसके बाद तीनों आरोपियों को थाना डिवीजन-7 की ताजपुर चौकी पुलिस के हवाले कर दिया गया। सूचना मिलते ही ताजपुर चौकी इंचार्ज दिनेश कुमार पुलिस टीम सहित मौके पर पहुंचे और तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर अपने साथ थाने ले गए।चौकी इंचार्ज दिनेश कुमार ने बताया कि ज्वाला नगर निवासी अनुप के बयान के आधार पर आरोपी

बलविंदर सिंह पुत्र पाल सिंह निवासी गांव गिल्ल लुधियाना,दीपक पुत्र सुखपाल निवासी संजय गांधी कालोनी,नरिंदर कुमार पुत्र सुदामर कुमार, निवासी गोपाल नगर, चौक लुधियाना के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड की भी पड़ताल की जा रही है।

■ **विधायक ग्रेवाल ने शोसल मीडिया पर विडियो डाल लूटपाट व नशे के सोदागरों को**

दी चेतावनी ...

इस घटना के बाद विधायक दलजीत ग्रेवाल भोला ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर इलाके में सक्रिय लुटेरों और असामाजिक तत्वों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अपराधी अपनी हरकतों से बाज आ जाएं, अन्यथा जनता के सहयोग से उन्हें इसी तरह पकड़कर पुलिस के हवाले किया जाएगा।विधायक ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि किसी भी इलाके में नशा बिकने की सूचना हो तो वे तुरंत उठें अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि समाज और पुलिस के सहयोग से नशा तस्करों तथा अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर क्षेत्र को नशामुक्त और अपराधमुक्त बनाया जाएगा।

ग्लाडा की नाक के नीचे ‘प्लॉटिंग सिंडिकेट’! अवैध कॉलोनियों का खेल बेखौफ, खरीदारों की गाढ़ी कमाई पर डाका; अधिकारियों की भूमिका पर उठे सवाल

राहुल शर्मा | लुधियाना

समर न्यूज़

ग्रेटर लुधियाना डेवलपमेंट अथॉरिटी (ग्लाडा) के अधीन आने वाले इलाकों में अवैध कॉलोनियों का कारोबार तेजी से फैलता जा रहा है। आरोप है कि बिना एनओसी, बिना लेआउट प्लान और बिना किसी वैधानिक मंजूरी के कृषि भूमि को आवासीय और व्यावसायिक प्लॉटों में बदलकर खुलेआम बेचा जा रहा है। इस पूरे खेल में भू-माफिया और विभाग के कुछ फील्ड अधिकारियों की कथित मिलीभगत को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

■ **शिकायत के बाद शुरू होता है ‘फाइलों का खेल’...**

सूत्रों के अनुसार, किसी अवैध कॉलोनी के शिकायत मिलते ही कारवाई के बजाय फाइलों को जानबूझकर लंबित रखा जाता है। पहले कॉलोनाइजर को औपचारिक कारण बताओ नोटिस जारी किया जाता है। इसके बाद कार्रवाई से पहले ही उसे कथित तौर पर सूचना दे दी



जाती है, जिससे वह अपने स्तर पर तैयारी कर लेता है। जब डिमोलिशन टीम मौके पर पहुंचती है तो महज कुछ कच्चे पिलर या ईंटें गिराकर फोटो खिंचवाई जाती है और इसे कार्रवाई बताकर फाइल बंद कर दी जाती है। आरोप है कि इसके बाद कॉलोनी में निर्माण और प्लॉट बिक्री पहले की तरह जारी रहती है।

■ **विज्ञापनों में बड़े-बड़े वादे, जमीन पर हकीकत अलग...**

प्रॉपर्टी डीलर और कॉलोनाइजर सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से प्रचार करते हैं कि कॉलोनी जल्द नियमित हो जाएगी। खरीदारों को 30 से 40 फुट चौड़ी सड़कें, सीवरज, बिजली और अन्य सुविधाओं का भरोसा दिया



जाता है। लेकिन प्लॉट बिकने के बाद अधिकांश वादे अधूरे रह जाते हैं। जब खरीदार अपने मकान का निर्माण शुरू करते हैं तो ग्लाडा की टीम निर्माण रोकने पहुंच जाती हैं। नतीजतन, आम लोग न तो कॉलोनाइजर से न्याय पा पाते हैं और न ही सरकारी प्रक्रियाओं से राहत मिलती है।

■ **भामिया कलां में खुलेआम अवैध प्लॉटिंग का आरोप...**

लुधियाना से सटे भामिया कलां क्षेत्र में भी अवैध कॉलोनी काटे जाने के आरोप लगे हैं। यहां ‘जी एस वेलफेयर’ के नाम से बोर्ड लगाकर प्लॉटों की बिक्री की जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बोर्ड लगाकर परियोजना को वैध दिखाने की कोशिश की जा रही

है, जबकि आवश्यक सरकारी मंजूरियां उपलब्ध नहीं हैं।

■ **विकास के दावों की खुली पोल...**

कॉलोनी में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति भी सवालों के घेरे में है। कई स्थानों पर सीवरज के मैनहोल खुले और क्षतिग्रस्त पड़े हैं, जिससे हादसे का खतरा बना हुआ है। सड़क, जल निकासी और अन्य मूलभूत सुविधाएं भी अधूरी बताई जा रही हैं। ऐसे में स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब आधारभूत ढांचा ही पूरा नहीं है तो आखिर किस आधार पर लोगों को लाखों रुपये में प्लॉट बेचे जा रहे हैं।

■ **ग्लाडा की भूमिका पर सवाल...**

स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि महीनों तक जेसीबी मशीनें चलती रहीं, सड़कें बनीं और प्लॉट बिकते रहे तो संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी कैसे नहीं हुई। लोगों का आरोप है कि या तो निगरानी व्यवस्था पूरी तरह विफल है या फिर इस पूरे मामले में मिलीभगत की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

■ **विजिलेंस जांच की मांग तेज...**

■ **कांग्रेस नेता सरदार रेशम सिंह**

नथ ने भी क्षेत्र में लगातार बस रही अवैध कॉलोनियों को लेकर प्रशासन पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों की शह के बिना इस तरह की कॉलोनियां बसना संभव नहीं है। उन्होंने पंजाब सरकार और विजिलेंस ब्यूरो से मांग की कि संबंधित अधिकारियों के बैंक खातों और संपत्तियों की जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

पीड़ित खरीदारों और सामाजिक संगठनों ने पंजाब सरकार से मांग की है कि अवैध कॉलोनियों को संरक्षण देने वाले अधिकारियों की भूमिका की जांच कराई जाए। साथ ही कथित अवैध कॉलोनाइजरों पर धोखाधड़ी के मामले दर्ज कर उनकी संपत्तियों और बैंक खातों की भी जांच की जाए, ताकि आम लोगों की मेहनत की कमाई सुरक्षित रह सके।

नई सब्जी मंडी की कमान कमलजीत सिद्धू के हाथ, विरासत में मिलीं कई चुनौतियां



लक्की मेहता | लुधियाना

समर न्यूज़

बहादुर के रोड स्थित नई सब्जी मंडी में मार्केट कमेटी के नए सचिव के रूप में कमलजीत सिंह सिद्धू ने सोमवार को कार्यभार संभाल लिया। पदभार ग्रहण करते ही उनके सामने वर्षों से लंबित कई महत्वपूर्ण समस्याओं के समाधान की चुनौती खड़ी हो गई है। इनमें नई दुकानों का कब्जा दिलाना, सफाई व्यवस्था में सुधार, ओवरचार्जिंग पर रोक, कथित अवैध वसूली पर सख्ती और मंडी बोर्ड के राजस्व में बढ़ोतरी जैसे प्रमुख मुद्दे शामिल हैं।

कार्यभार संभालने के अवसर पर मंडी स्टाफ ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान भूपिंदर सिंह, करन शर्मा, रविशेरिंदर सिंह, दीपक सिंगला, कमलदीप, बॉबी, जगमोत सिंह, बलविंदर, सौरव कालिया, गुपरीत सिंह, हरी राम और हरविंदर सिंह सहित अन्य कर्मचारियों ने उन्हें गुलदस्ते भेंट कर शुभकामनाएं दीं। नई सब्जी मंडी में लंबे समय से कई दुकानदार नई दुकानों के कब्जे का इंतजार कर रहे हैं। इसके अलावा मंडी की सफाई व्यवस्था को लेकर लगातार शिकायतें सामने आती रही हैं। दुगरी और हैबोवाल मंडियों में ओवरचार्जिंग तथा नई सब्जी

मंडी में कथित अवैध वसूली व मामलों पर पहले भी कार्रवाई की जा चुकी है। अब इन व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाए रखना नए सचिव की प्राथमिक जिम्मेदारियों में होगा। मंडी बोर्ड की आय बढ़ाने के लिए दाना मंडी में शुरू की गई पार्किंग पचीं व्यवस्था भी पूरी तरह लागू नहीं हो सकी। ऐसे में राजस्व बढ़ाने की दिशा में भी नए सचिव से उम्मीदें हैं। व्यापारियों और किसानों की नजर अब इस बात पर रहेगी कि कमलजीत सिंह सिद्धू लंबित मामलों का कितनी तेजी और पारदर्शिता से समाधान कर मंडी व्यवस्था में कितना सुधार ला पाते हैं।

ओम सेवा समिति ने 21 परिवारों को राशन दिया



नीलकमल मोनू | लुधियाना

समर न्यूज़

समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही ओम सेवा समिति की ओर से हरगोविंद मार्ग स्थित समिति कार्यालय में 238वां राशन वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्रधान रविंद्र गुप्ता ने की। इस दौरान 21 जरूरतमंद परिवारों की महिलाओं को एक माह की राशन सामग्री वितरित कर उन्हें राहत प्रदान की गई। समारोह में विशेष रूप से कनाडा निवासी मनोज गुप्ता और मालती गुप्ता ने जरूरतमंद महिलाओं को राशन किट के साथ खीर-

पूड़े का प्रसाद भी वितरित किया। इस अवसर पर संस्था के प्रधान रविंद्र गुप्ता ने कहा कि समिति का मुख्य उद्देश्य “नर सेवा ही नारायण सेवा” है। संस्था के सदस्य गगन गुप्ता ने कहा कि जरूरतमंद परिवारों की सहायता के अलावा मेधावी विद्यार्थियों की स्कूल फीस और पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाने का कार्य भी समिति नियमित रूप से करती है। इस मौके पर अरविंद कक्कड़, पुष्प मल्होत्रा, सचिन सचदेवा, संजय मल्होत्रा, जगतार सिंह, सोमनाथ मल्होत्रा, रमेश मल्होत्रा, सचिन मल्होत्रा, रोशन लाल, मीनू पांडे सहित संस्था के अन्य सदस्य एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद शहीद सुखदेव शाखा ने मनाया सावन-तीज महोत्सव, पारंपरिक संस्कृति की दिखी झलक



लक्की मेहता | लुधियाना

समर न्यूज़

भारत विकास परिषद की शहीद सुखदेव शाखा की ओर से दोराहा स्थित श्री मणिलक्ष्मी मंदिर में सावन-तीज महोत्सव हार्दिल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में परिषद परिवार के सभी सदस्य पारंपरिक भारतीय वेशभूषा में शामिल हुए। रंग-बिरंगे परिधानों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और पारिवारिक माहौल ने पूरे आयोजन को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम् के सामूहिक गायन तथा भगवान जगन्नाथ की ज्योति प्रज्वलित कर हुई। इसके बाद जगन्नाथ मंदिर के सतों ने पारंपरिक दिव्य

महा संकीर्तन प्रस्तुत किया। महामंत्र संकीर्तन के बीच श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर झूम उठे। महोत्सव के दूसरे चरण में फूलों से सजे झूले, स्ट्रीट फूड स्टॉल और तीज स्पेशल सेल्फी प्वाइंट आकर्षण का केंद्र रहे। महिलाओं ने पारंपरिक बोलियों के साथ गिद्धा प्रस्तुत कर माहौल को जीवंत बना दिया। वहीं बच्चों और महिलाओं के बंसल ने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। श्री मणिधाम मंदिर के पदाधिकारियों ने परिषद के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इससे

सामाजिक एकता और भगवान के प्रति श्रद्धा को और मजबूती मिलती है। कार्यक्रम के अंत में अश्वनी गोयल ने जगन्नाथ धाम मंदिर की पूरी टीम एवं श्री मणिलक्ष्मी मंदिर प्रबंधन का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष सुधीर चंद्र जैन, शाखा अध्यक्ष अनिल गुप्ता, सचिव तरुण, कोषाध्यक्ष संजीव खुराना, सुमेश शर्मा, राजकुमार अग्रवाल, रमेश सिंगला, राकेश पाराशर, जनक राज गोयल, अशोक गर्ग, सुरेंद्र प्रसाद, सीए पीडी को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। श्री मणिधाम मंदिर के पदाधिकारियों ने परिषद के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इससे

नवल ने जतिंद्र मित्तल को पंजाब भाजपा उपाध्यक्ष बनने पर फूल भेंट किए



दलजीत विक्की | लुधियाना

समर न्यूज़

भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष नवल जैन ने आज जतिंद्र मित्तल को पुनःपंजाब भाजपा उपाध्यक्ष बनने पर फूलों गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी। इस मौके उन्होंने पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों का धन्यवाद करते हुए कहा कि जमीनी स्तर से पार्टी में काम कर कदम दर कदम इकाई के शीर्ष पर पहुंचे जतिंद्र मित्तल पार्टी के विभिन्न पदों पर काम करते हुए 2019 में जिला भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेवारी भी बखूबी निभा चुके हैं।जतिन्द्र मित्तल की पार्टी के प्रति वफादारी को देखते हुए ही पार्टी

हार्दिकमान ने उनको दोबारा पंजाब भाजपा उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है।उन्होंने कहा कि जतिंद्र मित्तल आरएसएस के पुराने वर्कर भी है। साईकिल पटर्स उद्यमी जतिंद्र मित्तल 1980 से स्वयंसेवक है और बहुत से व्यापारिक संगठनों के साथ जुड़े हुए हैं। मित्तल एक व्यवसायी होने के साथ एक अनुभवी नेता भी है। उनके दोबारा पंजाब भाजपा उपाध्यक्ष बनने पर वर्करो में खुशी की लहर है। इस मौके पर जसदेव तिवारी, हंस राज शर्मा,सुरेश मिगलानी, अमित राय, सुरेश अग्रवाल, रितेश जयसवाल मंडल अध्यक्ष सुमित गुप्ता,सरजजीत सिंह राणा,दिशा मौर्यसाहिल सेठ,आशीष बजाज आदि मौजूद रहे।

समुद्र में तेल-गैस की तलाश पर 84 हजार करोड़ का दांव, क्या है ‘समुद्र मंथन’ योजना

■ **लक्ष्य घरेलू ऊर्जा उत्पादन बढ़ाना और आयात पर निर्भरता घटाना**

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत अब समुद्र की गहराइयों में छिपे तेल और गैस के भंडार तलाशने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश करने जा रहा है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने करीब 84,084 करोड़ रुपये की ‘समुद्र मंथन’ योजना को मंजूरी दी है।

इसका औपचारिक नाम राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना है। सरकार का उद्देश्य गहरे और अति गहरे समुद्री क्षेत्रों में तेल-गैस की खोज को तेज करना, घरेलू उत्पादन बढ़ाना और आयातित कच्चे तेल तथा गैस पर निर्भरता कम करना है। योजना को अगले पांच वर्षों के दौरान लागू करने की तैयारी है। यह पहल समुद्र में तेल और गैस की



खोज के लिए बड़े स्तर पर भूकंपीय सर्वेक्षण, खोजी कुओं की ड्रिलिंग और साइड अपतटीय बुनियादी ढांचे के विकास पर केंद्रित होगी।

गहरे समुद्र में खोज बेहद महंगी और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण होती है। इसलिए सरकार का प्रयास निजी और वैश्विक ऊर्जा कंपनियों

को भी इस क्षेत्र में निवेश के लिए आकर्षित करना है। पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत चल रहे इस मिशन में सरकारी तेल कंपनियों के साथ अंतरराष्ट्रीय अन्वेषण एवं उत्पादन कंपनियों और तकनीकी विशेषज्ञों की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है।

क्यों पड़ी जरूरत

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक संकट का सीधा असर देश के आयात बिल पर पड़ता है। ऐसे में समुद्र के भीतर मौजूद घरेलू हाइड्रोकार्बन संसाधनों की खोज ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सरकार का अनुमान है कि नए भंडार मिलने और उत्पादन शुरू होने पर विदेशी मुद्रा की बरत के साथ आयात पर निर्भरता घटाने में मदद मिल सकती है। हालांकि खोज में निवेश का बड़ा हिस्सा शुरुआती चरण में खर्च होगा और किसी क्षेत्र में तेल वा गैस मिलने की कोई गारंटी नहीं होती।

पहले से शुरू हो चुका काम

‘समुद्र मंथन’ केवल भविष्य की योजना नहीं है। सरकार ने पिछले कुछ समय में अपतटीय अन्वेषण को गति देने के लिए डेटा और तकनीक पर भी काम शुरू किया है। अप्रैल में आयोजित डेटा आधारित अन्वेषण सम्मेलन में सरकारी कंपनियों के साथ बीपी, एक्सॉनमोबिल और शेल जैसी वैश्विक कंपनियों तथा निजी क्षेत्र के ऑपरेटरों ने भाग लिया था। वहीं जुलाई में महानदी अपतटीय बेसिन में पहले मूल्यांकन कुएं की ड्रिलिंग शुरू हुई। यह चार प्रस्तावित गहरे समुद्री कुओं में पहला है, जिनके जरिए क्षेत्र की संभावनाओं का आकलन किया जाएगा।

‘अमृत’ मिलने की चुनौती

सरकार की योजना का अंतिम लक्ष्य समुद्र के भीतर संभावित ऊर्जा संसाधनों को उत्पादन में बदलना है, लेकिन इसमें जोखिम भी कम नहीं है। गहरे समुद्र में एक कुएं की खोज और ड्रिलिंग पर भारी खर्च आता है। तकनीकी कठिनाइयों, पर्यावरणीय मंजूरीयों और व्यावसायिक रूप से उपयोगी भंडार मिलने की अनिश्चितता के कारण परियोजनाओं में समय लग सकता है। इसलिए 84 हजार करोड़ रुपये का निवेश तभी पूरी तरह सफल माना जाएगा, जब खोजे गए संसाधनों को व्यावसायिक उत्पादन तक पहुंचाया जा सके। ‘समुद्र मंथन’ का असली परिणाम इसी पर निर्भर करेगा कि समुद्र की गहराइयों से भारत को कितना ऊर्जा ‘अमृत’ हासिल होता है।